RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 322
दि. 26.03.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

उत्तर प्रदेश में दो दिन की छुट्टी-4 दिन का लंबा वीकेंड, स्कूल-बैंक समेत क्या बंद-क्या खुला ?

(एजेंसी)।

राम नवमी के मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए लोगों को राहत दी है। इस बार सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि लगातार दो दिन की सरकारी छुट्टी का ऐलान किया गया है, जिससे आम लोगों को लंबा वीकेंड मिल गया है।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पहले 26 मार्च को छुट्टी घोषित की थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 27 मार्च तक कर दिया गया है। यानी प्रदेश में दो दिन तक सरकारी दफ्तर, कई स्कूल-कॉलेज और सरकारी सेवाएं बंद रहेंगी।

यूपी सरकार के 2026 हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार, रामनवमी पर 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित है। कुछ संगठनों और कर्मचारी संघों ने मांग की थी कि छुट्टी 27 मार्च को शिफ्ट कर दी जाए। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 27 को भी छुट्टी का ऐलान कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि 26 मार्च को कोर्ट खुला रहेगा और रामनवमी का अवकाश 27 मार्च को रहेगा (केवल हाईकोर्ट के लिए)।

तारीख दिन छुट्टी का प्रकार क्या बंद रहेगा?

26 मार्च 2026 गुरुवार
रामनवमी - सरकारी अवकाश
सरकारी दफ्तर, स्कूल-कॉलेज, बैंक बंद

27 मार्च 2026 शुक्रवार
सामान्य कार्य दिवस (कोई सार्वजनिक छुट्टी नहीं)
सरकारी दफ्तर, स्कूल-कॉलेज खुलेंगे

28 मार्च 2026 शनिवार
चौथा शनिवार + बैंक अवकाश बैंक और कुछ सरकारी कार्यालय बंद

29 मार्च 2026 रविवार
साप्ताहिक अवकाश सभी बंद

नोटः प्राइवेट स्कूल-कॉलेज और प्राइवेट कंपनियां अपने अनुसार फैसला ले सकती हैं।

कई जगहों पर 26 मार्च को छुट्टी रखी जा रही है, लेकिन 27 को सामान्य रूप से काम चलेगा।

26 मार्चः उत्तर प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे (फ्हक हॉलिडे लिस्ट के अनुसार)।

27 मार्चः बैंक खुलेंगे (वढ में रामनवमी की छुट्टी)।

28 मार्चः चौथा शनिवार - बैंक बंद।

29 मार्चः रविवार - बंद।

इससे कई लोगों को 26, 28 और 29 मार्च का लंबा ब्रेक मिल रहा है, लेकिन 27 मार्च को कामकाज सामान्य रहेगा।

क्यों हो रहा है कन्फ्यूजन?

पंचांग में नवमी तिथि दोनों दिनों में फैली हुई है। अयोध्या में कुछ

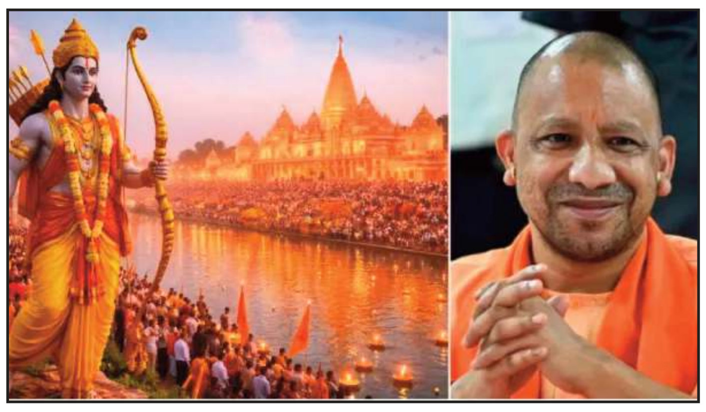

कार्यक्रम 27 को भी हैं। कर्मचारी संघों ने 27 मार्च को छुट्टी की मांग की थी, जिसपर सीएम योगी ने 27 को भी अवकाश का ऐलान कर दिया। सोशल मीडिया पर पुरानी खबरें और अफवाहें वायरल हो रही हैं। सरकारी दफ्तर, स्कूल और बैंक के लिए आधिकारिक सूचना का इंतजार करें। ऋृल्ली१ं' अॅल्लि२३१ं३ङ्खल्ल ऊिस्र१३ॅल्ल३ (ऋ्रअऊ) की कोई नई अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। रामनवमी का पर्व भक्ति और आस्था का प्रतीक है। सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा और व्यवस्था पर फोकस कर रही है।

'एकात्म मानव दर्शन - भारत का विश्वदृष्टिकोण' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

उपराष्ट्रपति ने वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानव दर्शन' आज भी प्रासंगिक है

प्रौद्योगिकी को मानव कल्याण की सेवा करनी चाहिए और लोक-संग्रह के आदर्श के अनुरूप ज्ञान द्वारा निर्देशित होना चाहिए

(एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज मैसूरु स्थित कर्नाटक राज्य

मुक्त विश्वविद्यालय में 'एकात्म मानव दर्शन-भारत का विश्वदृष्टिकोण' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक सम्मेलन का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया।

सम्मेलन के आयोजन के लिए कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु, प्रज्ञा प्रवाह और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अनुसंधान फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मेलन पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन (समग्र मानवतावाद) के 60 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है, जो एक गहन दार्शनिक और सभ्यतागत ढांचा है और समकालीन समय में भी अत्यंत प्रासंगिक बना हुआ है।

इसके मूल सिद्धांतों पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि समग्र मानवतावाद व्यक्ति, समाज, प्रकृति और ब्रह्मांड के अंतसंबंध पर बल देता है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत 6जी में वैश्विक नेतृत्व प्राप्त करेगा

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 6जी में वैश्विक नेतृत्व प्राप्त करेगा

भारत वैश्विक 6G पेटेंट में 10% हिस्सेदारी पाने की आकांक्षा रखता है; सर्वव्यापी कनेक्टिविटी प्रस्ताव को अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिलीः केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया

भारत 6G गठबंधन छह गुना (14 से 85 संस्थानों तक) विस्तारित हुआ, जो भारत की 6G महत्वाकांक्षाओं का प्रमुख चालक बनकर उभरा है

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) ऐतिहासिक वित्तीय सहायता के साथ नवाचार को बढ़ावा देगा

(एजेंसी)।

केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बुधवार को लोकसभा को भारत 6जी गठबंधन के विकास में हुई महत्वपूर्ण प्रगति और अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के माध्यम से भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के बारे में जानकारी दी।

एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की स्थापना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई थी और देश में नवाचार और अनुसंधान को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से यह फरवरी 2024 में परिचालन में आया। उन्होंने बताया कि प्रभावी और पारदर्शी निर्णय लेने के लिए फाउंडेशन एक शासी परिषद और एक कार्यकारी परिषद के माध्यम से कार्य करता है। एएनआरएफ का लक्ष्य 2023-28 के दौरान एएनआरएफ फंड, इनोवेशन फंड, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान फंड और विशेष प्रयोजन फंड के रूप में 50,000 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त करना है। केंद्र सरकार द्वारा 14,000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है और शेष राशि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, निजी क्षेत्र, परोपकारी संगठनों, फाउंडेशनों या अंतरराष्ट्रीय निकायों सहित अन्य स्रोतों से दान के रूप में जुटाई जाएगी।

आगे विस्तार से बताते हुए श्री सिंधिया ने कहा कि यह बजटीय प्रावधान अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों को समर्थन देने के लिए घोषित किया गया है, जिनमें उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में उन्नति के लिए मिशन, ईवी मिशन, 2डी इनोवेशन हब, मेडटेक मिशन, विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए एआई और सीआरएम अनुसंधान कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान और नवाचार में भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्नत अनुसंधान अनुदान, प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान और समावेशिता अनुसंधान अनुदान जैसी कई अनुदान पहलें शुरू की गई हैं।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई संस्थागत तंत्र स्थापित किए गए हैं। इनमें उत्कृष्टता अभिसरण केंद्र, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार संकेतक और विश्लेषण के लिए उत्कृष्टता केंद्र, त्वरित नवाचार और अनुसंधान के लिए साझेदारी और एएनआरएफ ट्रांसनेशनल रिसर्च इनोवेशन हब शामिल हैं।

'हम दलाल देश नहीं हो सकते...', जंग में पाक की मध्यस्थता के सवाल पर बोले एस. जयशंकर

केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया कि देश की ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह सुरक्षित है और अतिरिक्त आपूर्ति रास्ते में है.

पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर बुलाई गई यह सर्वदलीय बैठक लगभग डेढ़ घंटा चली.

ईरान जंग में पाकिस्तान की मध्यस्थता के सवाल पर बोले जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

ईरान जंग को एक महीना पूरा होने जा रहा है. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बाधित होने से तेल एवं गैस संकट बना हुआ है. इस बीच सरकार ने बुधवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई. इस बैठक में जब विदेश मंत्री जयशंकर से ईरान जंग में पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर सवाल किया गया.

जयशंकर ने मौजूदा जंग खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान की वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता के सवाल पर दो टूक कहा कि हम दलाल देश नहीं हो सकते.

सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान जब विदेश मंत्री जयशंकर से पूछा गया कि पीएम मोदी ने ट्रंप से क्या बातचीत की. तो इस पर जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि यह युद्ध खत्म होना चाहिए क्योंकि इससे सभी को नुकसान हो रहा है.

इससे पहले केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया कि देश की ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह सुरक्षित है और अतिरिक्त आपूर्ति रास्ते में है. पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर बुलाई गई यह सर्वदलीय बैठक लगभग डेढ़ घंटा चली.

सरकार ने विपक्ष को किया आश्वस्त

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में तेल और गैस मौजूद है. देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी तरह पूरी की जा रही हैं.

सरकार ने यह भी बताया कि पहले ही एडवांस बुकिंग कर ली गई है. कई देशों के साथ बातचीत भी जारी है. इस तेल और गैस सप्लाई में किसी भी तरह की बाधा से बचने के लिए विभिन्न स्रोतों से बातचीत हो रही है.

एलपीजी की उपलब्धता और होर्मुज के जरिए होने वाली सप्लाई को लेकर विपक्ष की ओर से उठाई गई चिंता पर सरकार ने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और अगले चार से पांच दिनों में चार जहाज बंदरगाहों पर पहुंचने वाले हैं. सरकार ने यह भी जोर दिया कि किसी तरह की कमी नहीं है और पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं.

सरकार ने यह भी कहा कि वह भूराजनीतिक स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं और किसी दबाव में नहीं है. सरकार ने स्पष्ट किया कि चिंता करने की कोई बात नहीं है और घबराने की जरूरत नहीं है. इसके साथ ही, सरकार ने कहा कि वह सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रही है और विपक्ष कभी भी सरकार से संवाद कर सकता है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चर्चा की शुरूआत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत के लोगों का ध्यान रखना सबसे महत्वपूर्ण है. विदेश सचिव ने मौजूदा संघर्ष और ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों सहित भूराजनीतिक स्थिति का विस्तृत ब्योरा दिया.

विपक्ष ने उठाए सवाल

सूत्रों के अनुसार, सरकार का संदेश यही था कि स्थिति नियंत्रण में है और घरेलू चिंताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी. पाकिस्तान को लेकर सरकार ने कहा कि उसकी भूमिका में कुछ नया नहीं है, क्योंकि वह 1981 से इस तरह की भूमिका निभाता रहा है, जिसमें इंटरेस्ट सेक्शंस के माध्यम से भी शामिल है. सूत्रों ने यह भी बताया कि बैठक में महिला आरक्षण विधेयक पर कोई चर्चा नहीं हुई.

विपक्षी नेताओं ने यह भी सवाल उठाया कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले क्यों किए? इसके जवाब में विदेश सचिव ने कथित तौर पर कहा कि ईरान ने परमाणु परीक्षण न करने का आश्वासन दिया था, लेकिन वह उस दिशा में बढ़ता दिख रहा था, जिसके कारण ये हमले हुए.

यह बैठक बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में संसद भवन में हुई, जिसमें अमित शाह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और सचिव विक्रम मिस्री शामिल हुए.

सर्वदलीय बैठक में बीजेडी की ओर से सस्मित पात्रा, जेडीयू से लल्लन सिंह, कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक और तारिक अनवर, समाजवादी पार्टी से धर्मेंद्र यादव और सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटस शामिल हुए.

रक्षा मंत्री ने सीमा सड़क संगठन पर विचार-विमर्श के लिए रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की

बीआरओ सीमाओं के साथ-साथ एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित कर रहा है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास और सड़क संपर्क सुविधाएं शामिल हैं: श्री राजनाथ सिंह

'सीमा सड़क विकास कार्यक्रम 2023-28 के अंतर्गत, दूरदराज और ऊंचे पहाड़ी वाले इलाकों में हर मौसम के दौरान सड़क संपर्क सुनिश्चित हो रहा है, जिससे परिचालन गतिशीलता एवं रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ किया जा रहा है'

शादी के बाद बांकेबिहारी दर्शन पहुंचे क्रिकेटर कुलदीप यादव : सपरिवार की प्रभु की पूजा-अर्चना

मुकेश कुशवाह

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव ने पत्नी वंशिका, पिता और बहन के साथ वृंदावन पहुंच कर बांकेबिहारी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। क्रिकेटर कुलदीप यादव ने परिवार के साथ होटल बृज इंटरनिटी में रूके और वहां से उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्रीबांकेबिहारी मंदिर पहुंचकर ठाकुर जी के दर्शन करके पुण्य लाभ अर्जित किया। बांकेबिहारी मंदिर की कुंज गलियों और प्रांगण में कुलदीप यादव की एक झलक पाने के लिए लोगो का तांता लगा रहा।

प्रभु दर्शन के दौरान बांकेबिहारी मंदिर की हाईपावर्ड समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ सेवायत शैलेंद्र गोस्वामी उनके साथ मौजूद रहे। सेवायत शैलेन्द्र गोस्वामी ने क्रिकेटर कुलदीप यादव और उनके परिवार को विधि-विधान से पूजा-अर्चना करायी। राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप ने पूरे भक्ति-भाव से प्रभु बांकेबिहारी के सामने माथा टेककर मनौती मांगी। प्रभु दर्शन के बादल मंदिर प्रबंधन की ओर से उन्हें ठाकुर जी का प्रसादी स्वरूप अंगवस्त्र भेंट कर आशीर्वाद दिया गया। दर्शन के बाद क्रिकेटर कुलदीप यादव ने कहा कि अपनी नव विवहित पत्नी के साथ प्रभु बांकेबिहारी के दर्शन करके वह धन्य हो गए।

भारतीय पारंपरिक लोक और आदिवासी संगीत को वैश्विक मंच पर विस्तार देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

संस्कृति मंत्रालय और यूट्यूब ने भारतीय पारंपरिक लोक और आदिवासी संगीत को वैश्विक मंच पर विस्तार देने और उसे आगे बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं

भारत की विविध लोक परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन संस्कृति मंत्रालय का प्रमुख उद्देश्य हैः श्री गजेंद्र सिंह शेखावत

(एजेंसी)।

भारतीय पारंपरिक लोक और आदिवासी संगीत को वैश्विक मंच पर बढ़ावा देने और उसे व्यापक स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और यूट्यूब के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। आज नई दिल्ली में इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल और यूट्यूब की भारत स्थित प्रबंध निदेशक श्रीमती गुंजन सोनी उपस्थित थीं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की विविध लोक परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन संस्कृति मंत्रालय का प्रमुख उद्देश्य है। यूट्यूब के साथ यह सहयोग हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को पोषित करने और हमारे कलाकारों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य लोक संगीतकारों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अधिक पहचान, स्थिरता और मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरण और मंच उपलब्ध कराना है।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने कहा कि मंत्रालय का मुख्य उद्देश्य लोक कलाकारों तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाना है ताकि देश के कोने-कोने के लोक कलाकार गर्व से अपनी संस्कृति और परंपराओं को कायम रख सकें और स्वतंत्र रचनात्मक उद्यमी बन सकें। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि यूट्यूब की वैश्विक पहुंच को मंत्रालय के व्यापक बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत करके, मंत्रालय एक मंच प्रदान कर रहा है।

और लाखों लोक कलाकारों को आत्मनिर्भर बनने और सफल उद्यम चलाने के लिए आधार तैयार करने में मदद कर रहा है।

इस समझौते के अवसर पर यूट्यूब की भारत की प्रबंध निदेशक, गुंजन सोनी ने कहा कि यूट्यूब का उद्देश्य भारत के हर कोने के कलाकारों और रचनाकारों को अपनी प्रतिभा को दुनिया के साथ साझा करने में मदद करना है। लोक संगीत भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है और संस्कृति मंत्रालय के साथ यह साझेदारी इन महत्वपूर्ण परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देने का एक अनमोल अवसर है। उन्होंने आगे कहा कि यूट्यूब, मंत्रालय की गहरी सांस्कृतिक भागीदारी और आईएमओसी के बुनियादी ढांचे को वैश्विक मंच पर कलाकारों को समर्थन और प्रदर्शन देने की अपनी अनूठी क्षमता के साथ जोड़कर, दुनिया भर के रचनाकारों के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए उत्साहित है।

लोक सभा अध्यक्ष ने राम नवमी की पूर्व संध्या पर लोगों को बधाई दी

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने राम नवमी की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं।

श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा, "भारत की आस्था, श्रद्धा और

सांस्कृतिक आत्मा के अमिट प्रतीक, लोकमंगल, मयार्दा, करुणा और धर्म के दिव्य आलोक से समूचे राष्ट्रजीवन को आलोकित करने वाले हम सबके आराध्य मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्रीराम के पावन अवतरण दिवस श्रीराम नवमी की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रभु श्रीराम ने मानवता को त्याग, वचनबद्धता, समरसता, शौर्य और धर्ममय जीवन के ऐसे उज्ज्वल आदर्श दिए हैं, जो युगों से भारतीय चेतना के पथप्रदर्शक बने हुए हैं। उनका दिव्य चरित्र सुशासन, लोककल्याण, न्यायपूर्ण व्यवस्था और रामराज्य की उस महान अवधारणा का जीवंत स्वरूप है, जिसे हम आज भी श्रेष्ठ राष्ट्रनिर्माण के आदर्श के रूप में देखते हैं।

अफहाम-ए-जमा सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने की प्राणी उद्यान निदेशक से मुलाकात

लखनऊ अफहाम-ए-जमा सोसाइटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान लखनऊ चिड़ियाघर के निदेशक संजय कुमार बिस्वाल से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच लखनऊ की ऐतिहासिक 'गंगा-जमुनी तहजीब' और सामाजिक सद्भाव के विषय पर विस्तार से बातचीत हुई।

बैठक के दौरान प्राणी उद्यान के निदेशक संजय कुमार बिस्वाल ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने सोसाइटी के सदस्यों को लखनऊ प्राणी उद्यान में वन्यजीवों के संरक्षण, नागरिक सुविधाओं और वर्तमान में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों से भी विस्तारपूर्वक अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

इस महत्वपूर्ण मुलाकात में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अफहाम-ए-जमा सोसाइटी के अध्यक्ष सै. अली मीसम नकवी (एडवोकेट) ने किया। उनके साथ मुख्य रूप से एडवोकेट जुलकिफी रिजवी, एडवोकेट शहंशाह हुसैन, एडवोकेट धर्मेन्द्र राजपूत, एडवोकेट सतीश कभी, रजनीश धानक, एडवोकेट सिद्ध नारायण त्रिवेदी, सोमिल रिजवी और हाशिम जैदी मौजूद रहे। इसके अलावा संस्था की महिला प्रभारी मिथलेश सिंह ने भी इस चर्चा में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई।

पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी थाना प्रभारी के साथ ऑनलाइन के जरिए सुनीं जनता की समस्या

पुलिस अधीक्षक ने आदेशित किया अगर फरियादी थाने में चक्कर काटते दिखा तो संबंधित पर होगी कार्यवाही पुलिस अधीक्षक कौशांबी ने साफ कर दिया कार्यालय में भीड़ दिखाई नहीं देनी चाहिए जनता के साथ न्याय होना चाहिए

(एजेंसी)।

कौशांबी आज बुधवार को पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार आमजन की शिकायतों के त्वरित पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की जा रही है। जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारियों तथा प्रभारी निरीक्षकों/थानाध्यक्षों से ऑनलाइन माध्यम से सीधा संवाद स्थापित कर प्रकरणों की जानकारी ली जा रही है।

इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए प्रत्येक मामले की समीक्षा करते हैं तथा संबंधित अधिकारियों को समय पर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए।

साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी शिकायतों का समाधान नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर न्याय मिल सके।

नाबालिक कन्या से छेड़खानी का अभियुक्त 10 वर्ष बाद अदालत से हुआ दंडित

(एजेंसी)।

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के एक गांव में 10 साल पूर्व नाबालिग बालिका से छेड़खानी के अभियुक्त को 03 वर्ष कठोर कारावास एवं 5,000/ रुपए अर्थदण्ड की सजा अदालत ने सुनाई है दिनांक 14.03.2016 को थाना सराय अकिल थाना क्षेत्र की एक नाबालिक बालिका के साथ छेड़खानी की गई थी एवं विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गयी थी थाना पर मु0अ0सं0 84/2016 धारा 354क/323/504/506 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत हुआ जिसमें विवेचना के उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ जिससे सम्बन्धित अभियुक्त सदाब पुत्र अफाक अहमद निवासी युसुफपुर पुरखास थाना सराय अकिल के मुकदमे की सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को अपराध का दोषी पाया और दिनांक 24.03.2026 को न्यायालय स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट जनपद कौशाम्बी द्वारा अभियुक्त को 03 वर्ष कठोर कारावास व 5,000/ रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया ।

आदर्श नगर में जलभराव व सीवर ओवरफ्लो से लोगों का जीना दूभर

प्रशासन की अनदेखी से बढ़ा रोष, बीमारियों का खतरा मंडराया

राजेश भारद्वाज

रेवाड़ी। शहर के पुराना बिजली घर स्थित आदर्श नगर क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या विकराल रूप ले लेती है, वहीं सामान्य दिनों में भी सीवर ओवरफ्लो के कारण क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैली रहती है।

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। गंदे पानी के जमाव के कारण क्षेत्र में अस्वास्थ्यकर वातावरण बना हुआ है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है और कई बार संबंधित विभागों व जनप्रतिनिधियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। इससे लोगों में भारी रोष और निराशा का माहौल है।

गौरतलब है कि लगभग तीन वर्ष पूर्व तत्कालीन जिला उपायुक्त अशोक गर्ग ने भी क्षेत्र का दौरा किया था, लेकिन उसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ और लोगों को केवल आश्वासन ही मिला।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए जल्द से जल्द जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, जर्जर सीवर लाइन को बदला जाए और सड़कों का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और प्रशासन को इस दिशा में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

इस मौके पर रानी पत्नी तुषार, जगमाल सिंह जाटव (सेवानिवृत्त रेलवे), लक्की, गंगाराम, कपिल, राजेश, खेमचंद, अरविंद कुमार, प्रवीण, महेंद्र सिंह, नर्सिंग दास, गोपीचंद, कैलाश चंद, बलबीर सिंह, मुकेश सोनी, रोहतास सिंह, पप्पू ट्रेलर, नवीन माचावाल, प्रवीण माचावाल, खुशीराम माचावाल, मीना देवी, वीरमती, कैलाश, मीनू, गजन देवी, ज्योति, विजय देवी, बादामी, कैलाश देवी सहित अनेक स्थानीय नागरिक, महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

कौशांबी में 'चयनात्मक कार्रवाई' का खेल? सिलेंडर चेकिंग में छोटे निशाने पर, बड़े बेखौफ!

(एजेंसी)।

कौशांबी। जिले में चल रहे गैस सिलेंडर चेकिंग अभियान पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर अधिकारियों की सख्ती सिर्फ फुटपाथ पर चाय-समोसा बेचने वाले छोटे दुकानदारों तक सीमित है, जबकि बड़े होटल, ढाबे और गेस्ट हाउस बेखौफ नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अभियान के दौरान टीम सीधे कमजोर तबके पर दबिश देती है, सिलेंडर जब्त कर चालान काटती है, लेकिन जब बात बड़े प्रतिष्ठानों की आती है तो जांच की रफ्तार अचानक थम जाती है। इससे पूरे अभियान की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो कई बड़े होटल और गेस्ट हाउस में घरेलू गैस सिलेंडरों का धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग हो रहा है, जो नियमों के खिलाफ है, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है। यही वजह है कि आम जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

लोगों का साफ कहना है कि अगर नियम हैं तो सबके लिए बराबर होने चाहिए। केवल छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई कर 'कागजी अभियान' पूरा करना न तो न्यायसंगत है और न ही प्रभावी।

अब देखना होगा कि प्रशासन इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वाकई बड़े खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई की हिम्मत दिखाता है, या फिर यह अभियान यूं ही छोटे कारोबारियों तक सीमित रह जाएगा।

दुष्कर्म आरोपी से 6 महीने तक परिजनों ने की सौदेबाजी फिर दर्ज कराया मुकदमा पुलिस ने किया गिरफ्तार

(एजेंसी)।

कौशाम्बी। नाबालिक बालिका के परिजनों के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में सितंबर 2025 में एक नाबालिग बालिका के साथ युवक ने रेप किया था मामले को धीरे-धीरे 6 महीने बीत गए 23 मार्च को बालिका की माता ने मंझनपुर कोतवाली पुलिस को रेप की सूचना दी है 6 महीने तक आरोपी युवक से बालिका के परिवार के लोग सौदेबाजी करते रहे और आरोपी युवक से धन की वसूली बालिका के परिवार के लोगों द्वारा की गई बताया जाता है कि युवक और बालिका के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था और दोनों प्रेमी युगल की तरह एकांत में मिलते थे लेकिन बाद में मामले को बलात्कार की संज्ञा दे दी गई है बालिका और युवक के प्रेम प्रपंच के बीच बालिका गर्भवती हो गई आरोपी ने गर्भपात की दवा खिला दी युवक से सौदेबाजी के बाद भी परिजन संतुष्ट नहीं हुए और उसके बाद बालिका के परिजनों की सूचना पर मंझनपुर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में 24.03.2026 को मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने अभियुक्त राज कुमार उर्फ रज्जन पुत्र रामदीन निवासी छोटी बसोहनी थाना मंझनपुर को गिरफ्तार किया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया है।

कौशाम्बी की माटी में शिक्षा की नई अलख 467 शिक्षकों को मिला 'निपुण सारथी' सम्मान

जन प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने सराहा,शिक्षा का कौशाम्बी मॉडल

शाल और प्रमाण पत्र से खिली गुरुओं की मुस्कान, बना आकर्षक

जनपद कौशाम्बी के शैक्षिक इतिहास में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। निपुण भारत मिशन के संकल्पों को धरातल पर उतारने वाले जनपद के कर्मठ शिक्षकों के सम्मान में कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में निपुण विद्यालय सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह केवल एक प्रशासनिक आयोजन न रहकर,शिक्षा और कृतज्ञता का एक अद्भुत संगम बन गया।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि निवर्तमान विधायक चायल संजय गुप्ता,निवर्तमान विधायक मंझनपुर लाल बहादुर,राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा,मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ।

जनपद के 467 उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान रहा। इन शिक्षकों ने अपने विद्यालयों को निपुण' बनाने के लिए जो भगीरथ प्रयास किए,प्रशासन ने उसे शाल ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सार्वजनिक रूप से सराहा। सभागार उस समय तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा जब मंच पर एक-एक कर शिक्षकों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया गया।

शिक्षा के इस महाकुंभ के कुशल नेतृत्वकर्ता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेंद्र कुमार कुशवाहा को भी उनके उत्कृष्ट प्रबंधन और विजन के लिए विशेष रूप से

शाल ओढा कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि डॉ. कुशवाहा के निर्देशन में कौशाम्बी ने बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।

निवर्तमान विधायक संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षक, राष्ट्र का निमार्ता ही नहीं,समाज की आत्मा होता है। आज 467 शिक्षकों का यह सम्मान असल में कौशाम्बी के भविष्य का सम्मान है।

निवर्तमान विधायक लाल बहादुर ने प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा की लौ,जब जलती है, तो अज्ञानता का अंधेरा स्वतः मिट जाता है। निपुण भारत मिशन के तहत कौशाम्बी का प्रदर्शन प्रदेश में मिसाल बन रहा है।

सदस्य,उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा ने कहा कि एक शिक्षित समाज ही नारी सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। शिक्षकों ने जिस समर्पण से बच्चों को गढ़ा है,वह वंदनीय है।

मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा प्रशासनिक दृष्टिकोण से लक्ष्य प्राप्त करना एक चुनौती होती है, जिसे इन शिक्षकों ने अपनी जिजीविषा से संभव कर दिखाया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि बेसिक शिक्षा की यह नींव जितनी मजबूत होगी, माध्यमिक और उच्च शिक्षा की इमारत उतनी ही भव्य बनेगी।"*

समारोह की साहित्यिक गरिमा को चार चाँद लगाने का कार्य कार्यक्रम के संचालक एसआरजी डॉ.ओम प्रकाश सिंह ने किया। उन्होंने अपनी ओजस्वी वाणी और काव्यमयी पंक्तियों से पूरे सदन में ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के समन्वयन में डीसी धर्मनाथ की महती भूमिका रही,जिनके कुशल प्रबंधन के कारण इतने विशाल आयोजन का अनुशासन देखते ही बनता था। वहीं,मंच पर सह-उद्घोषक सुनिष्ठा की मधुर और स्पष्ट शब्दावली ने कार्यक्रम के प्रवाह को निरंतर बनाए रखा,जिसकी प्रशंसा मुख्य अतिथियों ने भी की।

समारोह के अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन शिक्षकों के पसीने और मेहनत की खुशबू है,जो बंद कमरों में देश की नई पीढ़ी को तराश रहे हैं।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

यह आयोजन न केवल एक सम्मान समारोह था,बल्कि कौशाम्बी की शिक्षा व्यवस्था में आए गुणात्मक सुधार का एक जीता-जागता प्रमाण था।

श्री राम जन्मोत्सव पर विश्व हिन्दू परिषद द्वारा जिले में 101 कार्यक्रम आयोजित होंगे

राजेश भारद्वाज

रेवाड़ी। रेवाडी की नई अनाज मंडी में, विश्व हिन्दू परिषद की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राधेश्याम मित्तल ने की। राधेश्याम जी ने बताया कि रामनवमी पर श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा जिले में कुल 101 धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों की योजना जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बनाई गई है। जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र जोशी ने बताया कि इन आयोजनों का उद्देश्य समाज में परिवार प्रबोधन, धार्मिक जागरूकता और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समितियाँ इन कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटी हुई हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगे, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बनेंगे। रेवाड़ी नगर में लगभग 32 कार्यक्रम, धारूहेड़ा नगर के 15 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के 54 स्थानों पर कार्यक्रमो का आयोजन होगा। इस प्रकार पूरे जिले में कुल 101 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और सामाजिक जागरूकता से जुड़े आयोजन शामिल होंगे। इन आयोजनों से जिले में एकता, संस्कृति और श्रद्धा का संदेश प्रसारित होगा और समाज में धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द को नई दिशा मिलेगी।

इन सभी कार्यक्रमों में मुख्य केन्द्र रेवाड़ी जिले के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिर होगे, जिसमें दीपोत्सव का मुख्य कार्यक्रम रहेगा। सभी उपस्थित जन श्री राम जी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में अपने अपने क्षेत्र के मन्दिरों में दीप जलाकर उत्सव मनाएंगे। विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री परमेश कुमार ने सभी राम भक्तों को आवाहन किया कि, आप सब भी अपने निकट स्थित मंदिर में, अपने अपने घर से देशी घी का दीपक लेकर जाए और उसे प्रज्ज्वलित करें।

काशीराम कॉलोनी की बिजली काटे जाने पर भड़का आक्रोश, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कौशांबी। जनपद के नगर पालिका मंझनपुर क्षेत्र घना का पूरा स्थित काशीराम कॉलोनी में पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण कॉलोनी वासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि बिजली विभाग ने बकाया बिल का हवाला देते हुए ट्रांसफार्मर का कनेक्शन काट दिया, जिससे सैकड़ों परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए हैं।

बताया जाता है कि काशीराम कॉलोनी का निर्माण पूर्व मुख्यमंत्री मायावती द्वारा गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कराया गया था। यहां रहने वाले अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं। बीते करीब 20 वर्षों से बिजली का उपयोग कर रहे हैं।

कॉलोनी वासियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अपनी क्षमता के अनुसार बिजली बिल जमा करते रहे हैं, लेकिन अचानक कनेक्शन काटे जाने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो दिनों से बिजली न होने के कारण पेयजल, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन की व्यवस्थाएं पूरी तरह प्रभावित हो गई हैं।

गुस्साए लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए स्थानीय पावर हाउस पहुंचकर जूनियर इंजीनियर कार्यालय का घेराव किया और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तत्काल बिजली बहाल करने की मांग की।

वहीं, इस मामले में बिजली विभाग का कहना है कि कॉलोनी पर भारी बकाया होने के कारण कार्रवाई की गई है। हालांकि, ग्रामीणों की मांग है कि पहले समस्या का समाधान किया जाए और फिर बिल की वसूली के लिए उचित व्यवस्था बनाई जाए। इस मौके पर सैकड़ो महिलाओं के साथ वृद्ध और जवान लोग मौजूद रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

प. एशिया में चलते युद्ध में दिन पर दिन बढ़ता जा रहा न्यूक्लियर रेडियेशन का खतरा

डिमोना : इजरायल का सीव्रेट न्यूक्लियर रिएक्टर, सीक्रेट न्यूक्लियर रिएक्टर ईरान-इजरायल युद्ध का एक-दूसरे के परमाणु वेंद्रों तक पहुंच जाना बेहद भयावह है। शनिवार की सुबह अमेरिका-इजरायल ने संयुक्त कार्रवाई में ईरान के नतांज परमाणु वेंद्र को निशाना बनाया तो तेहरान ने पलटवार करते हुए अराद के साथ-साथ डिमोना शहर पर भी मिसाइलें दागी। डिमोना इजरायल का वह दक्षिणी हिस्सा है, जहां से महज 13 किलोमीटर दूर उसका मुख्य परमाणु वेंद्र है। तेल अवीव की मानें तो यह हमला दरअसल उसके परमाणु ठिकाने को वेंद्र में रखकर ही किया गया था। इस हमले में 180 से अधिक लोग घायल होने की बात की जा रही है। इजरायली सेना ने बताया कि वह इस बात की भी जांच कर रही है कि ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल को रोका क्यों नहीं जा सका। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि ईरान के दावे में वुछ सच्चाई है कि उसकी मिसाइलों ने इजरायली एयर डिपेंस सिस्टम को तबाह कर दिया है।

इजरायली सेना के अनुसार वायु रक्षा प्राणाली ने मिसाइल को रोकने की कोशिश की, लेकिन इंटरसेप्टर उसे मार गिराने में सफल नहीं हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इन हमलों के कारण (शुव्र है) किसी तरह के रेडिएशन यानि विकिरण से इंकार किया है, जो यकीनन सुखद बात है लेकिन दोनों जगहों पर जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।

डिमोना, दक्षिणी इजरायल के नेगेव रेगिस्तान में स्थित है और यहां एक प्रामुख परमाणु संयंत्र है। इजरायल की अपने परमाणु कार्यव्रम को लेकर कोई साफ नीति नहीं है और आधिकारिक तौर पर उसका कहना है कि डिमोना रिएक्टर केवल रिसर्च के लिए है। हालांकि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीटूट के अनुसार उसके पास लगभग 90 परमाणु वॉरहैड है, जिससे वह मध्य-पूर्व का एक मात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश बन जाता है। डिमोना रिएक्टर को शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर कहा जाता है। यह इजरायल के परमाणु कार्यव्रम की रीढ़ माना जाता है। परिसर करीब 36 वर्ग किलोमीटर में पैला है। करीब 2700 वैज्ञानिक और तकनीशियन यहां काम करते हैं। डिमोना को इजरायल के लिटिल इंडिया के नाम से जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में भारतीय-यहूदी समुदाय रहता है। करीब 30 प्रातिशत आबादी भारतीय मूल की है और मराठी आम भाषा इस्तेमाल होती है। दुकानों में सोन पापड़ी, गुलाब जामुन, पापड़ी चाट और भेलपुरी मिल जाती है। अमेरिका- ईरान-इजरायल की यह जंग जैसी घातक रूप अख्तियार कर रही है, वह न सिर्प पामि एशिया बल्कि पूरे विश्व के लिए गंभीर चिता का विषय होना चाहिए। डिमोना और ईरानी परमाणु वेंद्रों में यूरेनियम और प्लूटोनियम के भंडार हैं। अगर इनमें रिसाव हुआ तो न सिर्प आस-पास के लोग शिकार होंगे, बल्कि पूरा मध्य-पूर्व इससे प्राभावित हो सकता है। परमाणु विकिरण किस हद तक खतरनाक होते हैं, इसकी पीड़ा दायक नजीरें मौजूद हैं। जब दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापानी शहर हिरोशिमा व नागासाकी पर अमेरिका ने परमाणु बम गिराए थे। लिटिर बॉय (यूरेनियम) और फैटमैन (प्लूटोनियम) नामक इन बमों ने करीब 2 लाख लोगों की जिदगी खत्म कर दी थी और जापान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया था। आज इनकी तुलना में कहीं अधिक विनाशक बम कई देशों के पास हैं। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध को और पैलने से रोकने के लिए दुनिया को सामने आना पड़ेगा। स्वहित नहीं, विश्व हित को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। भारत इन पर लगातार जोर देता रहा है और कहता रहा है कि समस्या का हल युद्ध नहीं मेज पर बैठकर समझौता करना होगा। इसका हल युद्ध से नहीं बातचीत से करना होगा। यह काम जितनी जल्दी हो, यह युद्ध रुके, विश्व का इसी में कल्याण है।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन को सूचित किए जाने वाले भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन को सूचित किए जाने वाले भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (2031-2035) को मंजूरी दी

भारत ने 2005 के स्तर से 2035 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता को 47 प्रतिशत तक कम करने का संकल्प लिया

भारत का लक्ष्य 2035 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से 60 प्रतिशत संचयी विद्युत शक्ति संस्थापित क्षमता प्राप्त करना है

भारत 2005 के स्तर की तुलना में 2035 तक वन और वृक्ष आवरण के माध्यम से 3.5 से 4.0 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य कार्बन सिंक का निर्माण करेगा

भारत की ये प्रतिबद्धताएं 2047 तक विकसित भारत और 2070 तक नेट-जीरो के लक्ष्य के अनुरूप हैं

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की कार्रवाई को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 2031 से 2035 की अवधि के लिए भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को मंजूरी दे दी है। इससे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) और इसके पेरिस समझौते के तहत देश की महत्वाकांक्षा को बढ़ावा और इसके साथ ही सतत विकास और जलवायु न्याय के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी बल मिलेगा।

भारत का 2031-35 का राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) विकसित भारत की परिकल्पना से प्रेरित है, जो केवल 2047 का लक्ष्य नहीं है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल भारत बनाने के लिए वर्तमान में कदम उठाने की प्रतिबद्धता है। भारत के क्रमिक जलवायु लक्ष्य भारत की पिछली प्रतिबद्धताओं पर आधारित हैं, जिनमें से कई को निर्धारित समय से पहले ही अर्जित कर लिया गया है, जो जलवायु कार्रवाई में देश के निरंतर अच्छे प्रदर्शन को दशार्ता है। पांच गुणात्मक लक्ष्यों का उद्देश्य सतत विकास को रोजमर्रा की जिंदगी और शासन प्रणालियों में समाहित करना, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल विकास के मार्गों को बढ़ावा देना और समाज के सभी वर्गों के लिए एक न्यायसंगत और समावेशी परिवर्तन को सक्षम बनाना है।

प्रारंभिक उपलब्धियों से लेकर उच्च महत्वाकांक्षाओं तकः

जलवायु परिवर्तन के प्रति सकारात्मक प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए, भारत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की दिशा में समय-समय पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को बढ़ा रहा है और 2022 में किए गए अपडेट के बाद, अब उसने 2031-35 के लिए अपने लक्ष्यों की घोषणा की है, जो 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत की मूल जलवायु प्रतिबद्धताएं, अर्थात 2015 में प्रस्तुत एनडीसी, ने एक मजबूत आधार तैयार किया था, जिसमें 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 33-35 प्रतिशत की कमी और गैर-जीवाश्म संसाधनों पर आधारित विद्युत ऊर्जा की संस्थापित क्षमता में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था। ये दोनों ही निर्धारित समयसीमा से क्रमशः 11 वर्ष और 9 वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिए गए, जो जलवायु शासन के प्रति एक विश्वसनीय और कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण को दशार्ता है।

2005 से 2020 के दौरान हमारी उत्सर्जन तीव्रता में 36 प्रतिशत की

कमी आई है। अब लक्ष्य को बढ़ाकर 2035 तक 47 प्रतिशत कर दिया गया है। संस्थापित विद्युत क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा संसाधनों की हिस्सेदारी बढ़ाने के अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के लक्ष्य की दिशा में, देश ने 52.57 प्रतिशत गैर-जीवाश्म क्षमता (फरवरी 2026) अर्जित कर ली है, जो निर्धारित समय सीमा से पांच साल पहले ही लक्ष्य को पूरा करने के बराबर है। अब लक्ष्य को और बढ़ाकर 2035 तक स्थापित विद्युत क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी तक पहुंचा दिया गया है। वन और वृक्ष आवरण के माध्यम से अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाने के एनडीसी लक्ष्य के संबंध में, भारत ने 2021 तक पहले ही 2.29 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के समतुल्य कार्बन सिंक बना लिया है। वनीकरण और इकोसिस्टम बहाली के प्रयास ग्रामीण आजीविका की सहायता करते हुए भारत के कार्बन सिंक लक्ष्यों में योगदान दे रहे हैं। हमारे वृक्षारोपण प्रयासों को खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) जैसी स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा मान्यता दी गई है, जिसने वन क्षेत्र में शुद्ध वृद्धि के मामले में भारत को तीसरा और वन क्षेत्र के मामले में नौवां स्थान दिया गया है। यह प्रगति इस बात का प्रमाण है कि भारत ने उच्च जीडीपी वृद्धि दर बनाए रखते हुए भी अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी के बीच संतुलन बनाए रखा है। अब, हमने वन और वृक्ष आवरण के माध्यम से कार्बन सिंक बनाने की महत्वाकांक्षा को 2005 के स्तर से बढ़ाकर 2035 तक 3.5-4.0 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

भारत की जलवायु संबंधी कार्रवाई निरंतर और महत्वाकांक्षी रही है, और इसका ट्रैक रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से समय से पहले हमारे लक्ष्यों की उपलब्धि को दशार्ता है। यह भविष्य की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की हमारी क्षमता में मजबूत विश्वास प्रदान करता है और महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।

स्वच्छ ऊर्जा और हरित विकास को गति प्रदान करना

भारत की जलवायु रणनीति को कई उपायों के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है, जिनमें व्यापक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार, बैटरी भंडारण प्रणाली, हरित ऊर्जा गलियारे, स्वच्छ विनिर्माण और देश भर में विश्वसनीय और टिकाऊ बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करना शामिल है।

यह संस्थागत क्षमता, नवोन्मेषण इकोसिस्टम और स्थानीय स्तर पर अनुकूलन उपायों को मजबूत करने पर बल देती है और यह सुनिश्चित करती है कि जलवायु संबंधी विचार अर्थव्यवस्था के प्रमुख सेक्टरों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से एकीकृत हों। इनमें ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना; उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, पीएम-कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान); कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस) को बढ़ावा देना; और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भारत अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई), वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन (जीबीए) और उद्योग रूपांतरण के लिए नेतृत्व समूह (लीड-आईटी) जैसी पहलों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साझेदारी बनाकर एक सकारात्मक जलवायु कार्रवाई एजेंडा को आगे बढ़ा रहा है।

जलवायु अनुकूलन को बढ़ाना

भारत का जलवायु संबंधी दृष्टिकोण केवल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुकूलन संबंधी कार्यों को व्यापक रूप से लागू करने पर केंद्रित है। इसे देखते हुए कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को पहले से ही महसूस किया जाने लगा है, भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था के प्रमुख हितधारकों में अनुकूलन और आपदा से निपटने की क्षमता पर विशेष बल दिया है। अनुकूलन संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उठाए गए कुछ प्रमुख उपाय हैं: मैंग्रोव बहाली, तटीय विनियमन और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना के माध्यम से संवेदनशील तटीय क्षेत्रों का संरक्षण; चक्रवातों और तूफानी लहरों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली; हिमालयी राज्यों में हिमनदों की निगरानी, जैव विविधता संरक्षण और सतत आजीविका के लिए लक्षित कार्यक्रम; भूस्खलन और हिमनद झील विस्फोट से उत्पन्न बाढ़ के जोखिमों से निपटने के लिए जलवायु-अनुकूल अवसंरचना; राज्यों में हीट एक्शन प्लान का कार्यान्वयन; समुदाय-आधारित आपदा तैयारी और अनुकूलन कार्यक्रम आदि।

भारत के जलवायु परिवर्तन संबंधी कार्य योजना ढांचे के अंतर्गत, राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (एनएपीसीसी) और इसके नौ राष्ट्रीय मिशनों के साथ-साथ राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं (एसएपीसीसी) के माध्यम से भारत की राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन संबंधी विकास योजना को कार्यान्वित किया जाता है। यह ढांचा केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करके क्रियान्वित किया जाता है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल और निम्न कार्बन उत्सर्जन वाले विकास के लिए एक समन्वित, समग्र सरकारी दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।

भारत में जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्रवाई को स्थानीय स्तर पर जल जीवन मिशन, सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन, सतत वास, मिष्टी (तटीय वास और ठोस आय के लिए मैंग्रोव पहल), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई), आदि जैसी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

लोक केंद्रित दृष्टिकोण

भारत के जलवायु संबंधी प्रयास "पर्यावरण के लिए जीवनशैली (लाइफ)" के सिद्धांत पर केंद्रित हैं, जो सतत जीवन को एक जन आंदोलन में बदल रहा है और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल वृक्षारोपण को लोक आधारित जलवायु कार्रवाई में परिवर्तित कर रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (2031-35) के लिए दृष्टिकोण

भारत के 2031-2035 के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को आकार देने में, सरकार ने पहले ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) के परिणामों, सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) के सिद्धांत और समानता पर विचार किया है, ताकि राष्ट्रीय वास्तविकताओं, विकासात्मक प्राथमिकताओं, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु कार्रवाई में अधिक महत्वाकांक्षा की आवश्यकता को पेरिस समझौते के उद्देश्य और दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप सामंजस्य स्थापित किया जा सके।

भारत की जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताएं नीति आयोग के दस कार्यकारी समूहों द्वारा किए गए व्यापक हितधारक परामर्श और अध्ययनों का परिणाम हैं। इन दस समूहों में केंद्रीय मंत्रालय, संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ, उद्योग निकाय और नागरिक समाज संगठन आदि शामिल थे। ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, कृषि, जल और शहरी विकास सहित विभिन्न सेक्टरों से प्राप्त सुझावों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि संशोधित लक्ष्य महत्वाकांक्षी, प्राप्त करने योग्य और घरेलू क्षमताओं पर आधारित हैं। इस प्रक्रिया ने सरकार और समाज के समग्र दृष्टिकोण को सुनिश्चित किया, जिससे राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं को जलवायु उद्देश्यों के साथ संयोजित किया जा सके। परामर्श आधारित दृष्टिकोण समावेशी और सहभागी जलवायु नीति निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, साथ ही विकास, आजीविका और ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की रक्षा भी करता है।

भारत की जलवायु संबंधी निरंतर प्रतिबद्धताओं से युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर उत्पन्न होने की संभावना है, जिससे वे हरित परिवर्तन में प्रमुख भागीदार बन सकेंगी।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ, की प्रदर्शनी 'मास्करेड ऑफ आर्ट' में दर्शकों का स्वागत

लखनऊ, 25 मार्च 2026: सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ का परिसर इन दिनों कल्पना और रचनात्मकता के रंगों से सजा हुआ है, क्योंकि विद्यालय की वार्षिक कला प्रदर्शनी 'मास्करेड ऑफ आर्ट' अब आम जनता के लिए खुल गई है। 24 मार्च से शुरू हुई इस प्रदर्शनी में शहर भर से अभिभावकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है।यह प्रदर्शनी केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक अनोखा कलात्मक अनुभव है। यहाँ हर कलाकृति भावनाओं को छूती है और हर रचना बच्चों की असीम कल्पनाशक्ति को दशार्ती है।

प्रदर्शनी में कला की विभिन्न शैलियों का सुंदर संगम देखने को मिलता है। इसमें बारीकी से बनाए गए कथकली मास्क, जनजातीय कला से प्रेरित कृतियाँ, और

आधुनिक पाश्चात्य डिजाइन शामिल हैं, जो पहचान और संस्कृति के विषयों को दशार्ते हैं। दर्शक वारली कला की सादगी, प्राकृतिक दृश्यों की शांति, अमूर्त चित्रों की गहराई और भावनात्मक पोर्ट्रेट्स की अभिव्यक्ति का भी आनंद ले सकते हैं।इस प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण एक विशाल भित्ति चित्र (म्यूरल) है, जिसमें सिरेमिक और पेंटिंग का अनोखा मेल देखने को मिलता है।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम कोचित्ती ने कहाः 'जयपुरिया में हम मानते हैं कि शिक्षा केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। यह प्रदर्शनी हमारे विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यहाँ की हर कलाकृति प्रतिभा के साथ-साथ अभिव्यक्ति के साहस और अलग सोच को भी दिखाती है।'विद्यार्थियों ने भी अपने कार्य को लोगों के सामने प्रस्तुत करने पर गर्व व्यक्त किया। एक विद्यार्थी ने कहाः 'लोगों को हमारी बनाई हुई चीजों को देखते और सराहते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। हमारी कला के माध्यम से हम अपनी सोच और भावनाएँ भी साझा कर रहे हैं।''मास्करेड ऑफ आर्ट' प्रदर्शनी 27 मार्च तक प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक विद्यालय परिसर में खुली रहेगी। प्रवेश निःशुल्क है और सभी कला प्रेमियों एवं आम जनता के लिए यह प्रदर्शनी खुली है।

एसबीआई पेंशन फंड्स ने रिटायरमेंट तैयारी पर दिया जोर, उत्तर प्रदेश में एनपीएस विस्तार तेज

लखनऊ, 25 मार्च 2026: नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत देश की सबसे बड़ी पेंशन फंड मैनेजर एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड ने रिटायरमेंट योजना की बढ़ती आवश्यकता और एनपीएस इकोसिस्टम में हालिया विकासों पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश, जहां कार्यबल तेजी से बढ़ रहा है और असंगठित क्षेत्र के कामगारों की बड़ी संख्या मौजूद है, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन कवरेज को बढ़ाने की अपार संभावनाएं रखता है। एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और आर्थिक केंद्र के रूप में लखनऊ वित्तीय जागरूकता बढ़ाने और टियर-2 व टियर-3 शहरों तक पेंशन लाभ पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है, जिससे व्यापक स्तर पर रिटायरमेंट सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। एसबीआई पेंशन फंड्स खुदरा और कॉरपोरेट दोनों वर्गों में एनपीएस अपनाने को बढ़ाने पर लगातार ध्यान दे रहा है। इसके लिए कंपनी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के व्यापक नेटवर्क का इस्तेमाल कर रही है, डिजिटल क्षमताओं को मजबूत कर रही है और वित्तीय साक्षरता व भविष्य की तैयारी को बढ़ावा दे रही है। कंपनी एक अनुशासित और दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करती है, जिसमें विविधीकृत इक्विटी निवेश, स्थिर फिक्स्ड इनकम रणनीतियां और नए एसेट क्लासेस का चयनात्मक समावेश कर विकास और पूंजी संरक्षण के बीच संतुलन बनाया जाता है। एसबीआई पेंशन फंड्स के एमडी और सीईओ प्रणय द्विवेदी ने कहा रिटायरमेंट प्लानिंग अब विकल्प नहीं, बल्कि वित्तीय आवश्यकता बन चुकी है। कम लागत, लचीलापन और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के कारण एनपीएस लाखों भारतीयों के लिए डिफॉल्ट रिटायरमेंट समाधान बनने की क्षमता रखता है, खासकर तब जब उभरते शहरों में इसकी जागरूकता बढ़ रही है। बढ़ती

जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य खर्चों में वृद्धि और पारिवारिक संरचनाओं में बदलाव के कारण रिटायरमेंट योजना बेहद जरूरी हो गई है। हालांकि, भारत के गैर-सरकारी कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा अब भी संगठित पेंशन व्यवस्था से वंचित है। एनपीएस एक कम लागत, पारदर्शी, कर-अनुकूल और लचीला रिटायरमेंट बचत प्लेटफॉर्म के रूप में लगातार मजबूत हो रहा है, जिसे पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा किए गए हालिया सुधारों का समर्थन प्राप्त है। प्रमुख बदलावों में शामिल हैं: मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क (एमएसएफ) की शुरूआत, जिससे निवेश विकल्प बढ़े दीर्घकालिक निवेशकों के लिए इक्विटी में अधिक निवेश की अनुमति एआईएफ और गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ जैसे नए एसेट क्लास में विस्तार निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, स्व-रोजगार और गिग वर्कर्स पर बढ़ता फोकस ये बदलाव निवेशक-केंद्रित और अधिक लचीली रिटायरमेंट सुरक्षा प्रणाली की ओर बढ़ते कदम को दशार्ते हैं। लखनऊ में आयोजित यह पहल एसबीआई पेंशन फंड्स की देशभर में रिटायरमेंट तैयारी को मजबूत करने और पेंशन कवरेज का विस्तार करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

टेलीविजन की चहेती बहू बनी 'देश की बेटी', कलर्स का 'मंगल लक्ष्मी' पहुँचा 700 एपिसोड्स के सफर तक

भारतीय टेलीविजन ने हमेशा उन महिलाओं का जश्न मनाया है जो परिवार को एक साथ जोड़े रखती हैं। अब वक्त है एक बड़े बदलाव का स्वागत करने का। कलर्स का लोकप्रिय शो 'मंगल लक्ष्मी' गर्व के साथ अपने 700 एपिसोड पूरे कर चुका है और इस पारिवारिक ड्रामा ने इस खास मौके पर सबसे साहसी रूपांतरण पेश किया है। देश की प्यारी गृहिणी से उद्यमी बनी मंगल, जिसे दीपिका सिंह ने निभाया है, अब घर की सीमाओं से आगे बढ़कर एक और बड़ी ज़िम्मेदारी उठाने जा रही है—देश की बेटी के रूप में उभरते हुए, भारतीय महिला के बदलते चेहरे को टेलीविजन पर दशार्ते हुए। सालों से दर्शकों ने देखा है कि मंगल ने ज़िंदगी के हर किरदार को पूरी तरह निभाया है समर्पित पत्नी, मजबूत बहू, स्नेही माँ, ज़िम्मेदार बहन और आत्मनिर्भर उद्यमी। अब कहानी एक नए और निर्णायक अध्याय में प्रवेश कर रही है, जहाँ उसकी यात्रा परिवार की डोर से आगे बढ़कर देश की सेवा तक पहुँचती है।

मौजूदा कहानी में मंगल की ज़िंदगी नया मोड़ लेती है, जब आदित उसके सालों की मेहनत से खड़ी की गई कंपनी पहला स्वाद पर कब्जा कर लेता है। मजबूर होकर मंगल एक नई शुरूआत करती है और अपना वेडिंग-प्लानिंग वेंचर शुरू करती है। किस्मत तब करवट लेती है जब वह बहादुरी दिखाते हुए एक अपराधी को पकड़वाने में मदद करती है और उसे पुलिस के हवाले कर देती है। उसकी निडरता और ईमानदारी इंस्पेक्टर जयराज का ध्यान खींचती है, जो उसे

एक गुप्त मिशन सौंपते हैं और यही मिशन उसकी ज़िंदगी की दिशा बदल देता है। सालों तक अपने परिवार को संभालने वाली मंगल को अब एक और बड़ी ज़िम्मेदारी मिलती है देश की रक्षा करने की, जो सबसे बड़ा परिवार है। इस मिशन को अपना कर्तव्य मानकर मंगल कठोर सेल्फ-डिफेंस और मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग लेती है। इसके साथ ही शो में एक नया दौर शुरू होता है—जज्बातों से भरा और एक्शन से लबरेज।

इस नए दौर के बारे में बात करते हुए दीपिका सिंह ने साझा किया, 'जो मुझे सबसे ज्यादा विनम्र बनाता है, वह यह है कि दर्शक मंगल लक्ष्मी के साथ जुड़े रहे हैं और उसकी यात्रा को देखा है गृहिणी से उद्यमी बनने तक और अब देश की बेटी बनने तक। 700वां एपिसोड पूरा करना अपने आप में एक खास उपलब्धि है, जो यह बताता है कि इस शो ने कितने भारतीय घरों की ज़िंदगी में फर्क डाला है। देश की सेवा का यह नया अध्याय, वही सब कुछ है जिसका मंगल हमेशा प्रतीक रही है। सालों तक हमने महिलाओं को परिवार को जोड़ने वाली ताकत के रूप में दिखाया है। अब हम यह भी कह रहे हैं कि वही महिला अपने घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर अन्याय के खिलाफ खड़े होने का हक और हिम्मत रखती है।'

दीपिका सिंह आगे कहती हैं, 'यह नया ट्रैक हमें उन सामाजिक बुराइयों पर रोशनी डालने का मौका देता है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, और उन रोजमर्रा की बहादुरियों पर भी, जिनसे उनका सामना किया जाता है। जब मंगल सेल्फ-डिफेंस और मार्शल आर्ट्स सीखती है, तो यह एक बड़ी सच्चाई को सामने लाता है कि सशक्तिकरण कोई विलासिता नहीं, बल्कि जरूरत है। एक महिला और एक कलाकार होने के नाते, मेरा मानना है कि टेलीविजन की ज़िम्मेदारी है कि वह महिलाओं को दिखाने का तरीका बदले—सिर्फ पोषण करने वाली नहीं, बल्कि फैसले लेने वाली, सुरक्षा देने वाली और बदलाव की वाहक के रूप में। यह ताकत को सामान्य बनाने और महिलाओं को यह बताने की बात है कि उनकी सुरक्षा, उनका अधिकार और उनकी आवाज मायने रखती है। अगर मंगल की यात्रा महिलाओं को और जागरूक, और निडर या और दिखाई देने का एहसास दिलाती है, तो यह मोड़ अपने मकसद को पूरा कर चुका है। और मंगल लक्ष्मी की पूरी टीम के लिए, यह तो बस एक और भी मायने रखने वाली बातचीत की शुरूआत है।'

देखिए 'मंगल लक्ष्मी' हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर

पीलीभीत में एसपी ने सुनी जनशिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(एजेंसी)।

पीलीभीत, 25 मार्च 2026: जिले की जनता की शिकायतों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने आज पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान एसपी ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित जनता की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के सख्त निर्देश दिए।

जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्जनों लोगों ने अपनी समस्याओं को एसपी के समक्ष रखा। इनमें मुख्य रूप से पारिवारिक विवाद, भूमि संबंधी झगड़े, चोरी-डकैती की घटनाओं की शिकायतें, ट्रैफिक व्यवस्था की खामियां, महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे तथा अन्य आपराधिक मामलों का उल्लेख प्रमुख था। एसपी ने हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों, सब-इंस्पेक्टरों एवं अन्य अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

इस अवसर पर एसपी ने कहा, "जनता की आवाज ही पुलिस की प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि हर शिकायत का समाधान जल्द से जल्द हो ताकि आम नागरिकों को न्याय मिल सके।" उन्होंने थाना स्तर पर भी नियमित जनसुनवाई आयोजित करने के निर्देश दिए तथा पुलिसकर्मियों को जनता के प्रति संवेदनशील रहने का आ'ान किया। जनसुनवाई में दर्ज शिकायतों की संख्या करीब 50 से अधिक बताई जा रही है, जिनमें से अधिकांश का प्राथमिक निस्तारण उसी दिन प्रारंभ कर दिया गया।

यह जनसुनवाई जिले में पुलिस-जनता के बीच बढ़ते विश्वास का प्रतीक बन गई। स्थानीय लोगों ने एसपी की इस पहल की सराहना की तथा उम्मीद जताई कि इससे जिले में कानून-व्यवस्था और मजबूत होगी। पुलिस विभाग ने भी इस आयोजन को सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव प्रसारित किया, जिससे दूर-दराज के लोग भी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें।

मिशन शक्ति 5.0: पीलीभीत में महिला सशक्तिकरण को मिला नया आयाम

(एजेंसी)।

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मिशन शक्ति 5 (द्वितीय चरण) के तहत सोमवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में महिला कल्याण विभाग से संचालित हब की टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए विस्तृत कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह एवं अजीत सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई, जिसमें महिलाओं को लिंग आधारित हिंसा, कानूनी अधिकारों तथा आत्मरक्षा के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी महोदय के विशेष संदेश से हुआ, जिसमें उन्होंने मिशन शक्ति 5.0 को महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बताते हुए सभी विभागों से सक्रिय सहयोग की अपील की। जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह ने महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, यौन उत्पीड़न तथा साइबर अपराधों से बचाव के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों जैसे पॉक्सो एक्ट, घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम एवं आईपीसी की धाराओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण में विशेष रूप से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को लक्षित कर 100 दिनों का अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 एवं 112 का उपयोग कर तत्काल सहायता ली जा सकती है।

वहीं, जेंडर स्पेशलिस्ट अजीत सिंह ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण पर जोर देते हुए महिलाओं को सरल तकनीकों से खतरे से निपटने के तरीके सिखाए। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है और मिशन शक्ति के तहत अब तक जनपद में सैकड़ों महिलाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने अपनी समस्याओं को साझा किया, जिनमें दहेज उत्पीड़न, संपत्ति अधिकार तथा कार्यस्थल पर असुरक्षा प्रमुख थीं। टीम ने इन सभी मामलों में विधिक सहायता का आश्वासन दिया तथा प्राथमिक पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी।

महिला कल्याण विभाग से हब की टीम ने बताया कि यह कार्यक्रम जनपद के विभिन्न ब्लॉकों में लगातार चलाया जा रहा है, जिसमें स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पंचायत भवनों पर विशेष सत्र आयोजित हो रहे हैं। जिलाधिकारी महोदय ने निर्देश दिए हैं कि मिशन शक्ति 5.0 के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल किया जाए तथा प्रत्येक महिला तक योजना का लाभ पहुंचे। इस अवसर पर स्थानीय महिलाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की सफलता से स्थानीय महिलाओं में उत्साह का संचार हुआ है तथा उन्होंने इसे महिला उत्थान की नई दिशा बताया।

बिलसंडा हादसा: घर की छत से घुसकर महिला के आपत्तिजनक फोटो खींचे, दुष्कर्म प्रयास; सास से भी मारपीट, आरोपी फरार

(एजेंसी)।

पीलीभीत/बिलसंडा/एक विवाहिता से दुष्कर्म करने का प्रयास और आपत्तिजनक फोटो खींचने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पति की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। यह घटना पांच दिन पहले हुई थी, जिसकी शिकायत पीड़िता के पति ने मंगलवार को थाने में दर्ज कराई है। पीड़िता के शोर मचाने पर बचाने आई सास

यह घटना पीलीभीत जनपद के बिलसंडा थाना क्षेत्र के इलाके की है। पीड़िता के पति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 मार्च की रात करीब 12 बजे, जब वह घर पर नहीं थे, तो अजय कश्यप (पुत्र द्वारिका प्रसाद) उनके घर के पीछे से छत पर होकर घर में घुस आया। आरोपी ने घर में सो रही उनकी पत्नी को गलत नीयत से दबोच लिया। पीड़िता के शोर मचाने पर उसकी सास बचाने आई।

आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी अजय कश्यप ने पीड़िता और उसकी सास के साथ मारपीट की। इसके साथ ही उसने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया।

पीड़िता ने थाने दर्ज कराई शिकायत

पति के घर लौटने पर पत्नी ने उन्हें पूरी घटना बताई। पीड़िता के पति ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उनकी पत्नी के कुछ आपत्तिजनक फोटो भी खींच लिए थे और कार्रवाई कराने पर उन्हें वायरल करने की धमकी दी। मंगलवार को पीड़िता के पति ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बिलसंडा थाना अध्यक्ष सिद्धांत शर्मा ने बताया कि-

" पीड़िता के पति की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले में पीड़िता का बयान दर्ज करने, मेडिकल जांच कराने और अन्य सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी

पीलीभीत में डीएम ने दिव्यांग को दिया स्मार्टफोन: सरकार के 9 साल पूरे होने पर कार्यक्रम, ट्राईसाइकिल वितरित की गई

(एजेंसी)।

पीलीभीत/गांधी स्टेडियम में मंगलवार को सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने एक दिव्यांग युवक को स्मार्टफोन भेंट कर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और ट्राई-साइकिल वितरित की जा रही थीं। इसी क्रम में शहर के खकरा मोहल्ले निवासी संजीव नामक दिव्यांग युवक को ट्राई-साइकिल मिलने के बाद उसने जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह से एक मोबाइल फोन की आवश्यकता जताई।

संजीव की मांग सुनकर जिलाधिकारी ने तुरंत अपने स्टाफ को निर्देश दिए। उन्होंने अपने निजी स्तर पर एक नया स्मार्टफोन मंगवाया और कुछ ही देर में वह फोन संजीव को सौंप दिया गया। नया मोबाइल फोन पाकर संजीव ने उसी समय जिलाधिकारी को कॉल कर आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी के इस कदम की वहां मौजूद जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने सराहना की।

यह पहली बार नहीं है जब जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने ऐसा मानवीय कार्य किया हो। इससे पहले भी वे जनसुनवाई के दौरान जरूरतमंदों को अपनी सरकारी गाड़ी से अस्पताल भिजवाने और त्योहारों पर गरीबों की निजी खर्चे से मदद करने के लिए चर्चा में रहे हैं। जिले में उनके सरल और मददगार स्वभाव की प्रशंसा की जाती है।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक आयोजित

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक आयोजित की गई । बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित कार्यकमों की समीक्षा करते हुए टढउऊफ पोर्टल पर पूरे वित्तीय वर्ष में एक भी बाल मृत्यु की रिपोर्ट नहीं किए जाने पर चिकित्सा अधीक्षक बहरिया, रामनगर, चाका, सैदाबाद,कोराव, कौड़ीहार एवं सोरांव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिये हैं । जिलाधिकारी ने इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग में लापरवाही बरतने पर डिप्टी सीएमओ डॉ राजेश सिंह को कारण बताओ नोटिस पत्र जारी करने का निर्देश सीएमओ को दिया. उन्होंने आशाओं से उनके क्षेत्र में हुई बाल मृत्यु की रिपोर्टिंग प्राप्त करने में लापरवाही को दृष्गित डीसीपीएम अशफाक अहमद का वेतन रोकने का निर्देश दिया. एचबीएनसी विजिट नहीं करने पर जिलाधिकारी ने बीसीपीएम कोराव, करछना, बहरिया, उरुवा, फूलपुर तथा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी शंकरगढ़, उरुवा, सैदाबाद, कौंधियारा, हंडिया धनुपुर चाका एवं बहादुरपुर का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोकने का निर्देश सीएमओ को दिया है . ब्लॉक स्तरीय टीकाकरण समीक्षा बैठकों में प्रतिभाग नहीं करने पर जिलाधिकारी ने बीसीपीएम कौंधियारा,कोराव तथा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी धनपुर, होलागढ़, कौड़ीहार, कोराव , फूलपुर एवं रामनगर को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने का निर्देश दिया. आशाओं तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस को निर्देशित किया है। आयुष्मान कार्ड बनाने जाने में जनपद की रैंकिंग खराब रहने पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी व्यक्त किया तथा समस्त चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे डीपीओ तथा जिला पूर्ति अधिकारी से समन्वय करते हुए समस्त पात्र व्यक्तियों का कार्ड बनाना सुनिश्चित करें. जिलाधिकारी ने कल शाम तक समस्त जीरो पावर्टी व्यक्तियों का शत प्रतिशत गोल्डेन कार्ड बनाने का निर्देश दिया.

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री अरुन कुमार तिवारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बर्खास्त आयुष्मान मैनेजर अरुण मौर्य पर शिकंजा: ठगी के दो नए मामले, कुल 28 लाख की धोखाधड़ी

(एजेंसी)।

पीलीभीत, 25 मार्च 2026: स्वास्थ्य विभाग के सीएमओ कार्यालय से बर्खास्त पूर्व आयुष्मान मैनेजर अरुण कुमार मौर्य की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। धोखाधड़ी और लाखों रुपये हड़पने के आरोप में एसपी के आदेश पर उसके खिलाफ दो नई एफआईआर दर्ज हुई हैं। इससे पहले भी दो शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं, जिससे ठग गिरोह के खिलाफ मुकदमों की संख्या बढ़ गई है। सुनगढ़ी कोतवाली में धारा 420, 467, 468 समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किए गए हैं।

पहली शिकायत नगर पंचायत नौगवा पकड़िया के प्रशांत गंगवार ने दी। उन्होंने आरोप लगाया कि छतरी चौराहा के 'मौर्य मेडिकल स्टोर' संचालक रमाकांत मौर्य व उनके बेटे अरुण ने प्लॉट बेचने का लालच देकर किस्तों में 10 लाख 80 हजार रुपये ऑनलाइन ले लिए। रकम हड़पने के बाद न रजिस्ट्री की, न पैसे लौटाए। एग्रीमेंट की समयसीमा निकलने पर भी प्लॉट न देने पर दोनों एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहरा रहे हैं। अब पीड़ित को फर्जी मुकदमे की धमकी दी जा रही है।

दूसरी एफआईआर सीएमओ कार्यालय के सहायक शोध अधिकारी पियूष कुमार सिंह की शिकायत पर दर्ज हुई। पियूष ने बताया कि अरुण ने पारिवारिक समस्या बताकर 15 लाख रुपये उधार लिए। आधा पैसा तो लौटा दिया, लेकिन बाकी 7 लाख 47 हजार पर टालमटोल करने लगा। इस साजिश में अरुण की पत्नी नीतू मौर्य (बरेली की शिक्षिका), पिता रमाकांत व भाई अभिनव भी शमिल हैं। जाली बैंक रसीदें व फर्जी ट्रांसफर मैसेज दिखाकर गुमराह किया। पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी मिल रही है।

इस ठगी के नेटवर्क से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसपी के सख्त निर्देश पर पुलिस साक्ष्य जुटा रही है और जल्द गिरफ्तारी की दबिश बढ़ाएगी। विभाग से बर्खास्तगी के बाद अरुण का 'ठगी साम्राज्य' अब बेनकाब हो रहा है।

ट्रक की जोरदार टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की दर्दनाक मौत, एक घायल: पीलीभीत के घाटमपुर के पास भयंकर हादसा, चालक फरार, वाहन जब्त

(एजेंसी)।

पीलीभीत/25 मार्च/पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के घाटमपुर गांव के पास बुधवार सुबह एक सीएनजी ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार अधेड़ की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है, जबकि चालक फरार होने में सफल रहा।

जानकारी के मुताबिक, चांदुइया कॉलोनी निवासी भुजंग सरकार (50) पुत्र अशोक सरकार अपने साथी गोपाल सरकार (27) पुत्र अमल सरकार के साथ बाइक पर सवार होकर धान रोपाई के काम से कालाबोझ गांव जा रहे थे। सुबह करीब 8 बजे घाटमपुर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया। वहां डॉक्टरों ने भुजंग को मृत घोषित कर दिया। गोपाल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक चार बच्चों के पिता थे, जिनमें एक बेटी व एक बेटे की शादी हो चुकी है। मुखिया की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

थाना अध्यक्ष पवन पांडे ने बताया कि हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भागा, लेकिन वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। परिजनों की तहरीर पर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी

नवरात्रि में मीट प्रतिबंध का खुला उल्लंघन: पीलीभीत के भिकारीपुर में पुलिस नाक के नीचे धड़ल्ले से हो रही बिक्री

(एजेंसी)।

पीलीभीत/सुनगढ़ीनवरात्रि के पावन पर्व के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के मीट बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद, पीलीभीत जिले के सुनगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत भिकारीपुर कस्बे में पुलिस की नाक के नीचे मीट की खुली बिक्री हो रही है। स्थानीय निवासियों ने इसकी शिकायत की है, जिससे प्रशासन की लापरवाही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

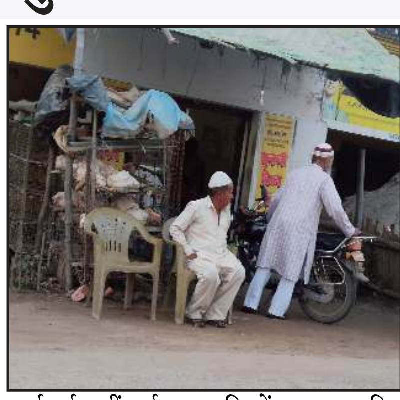

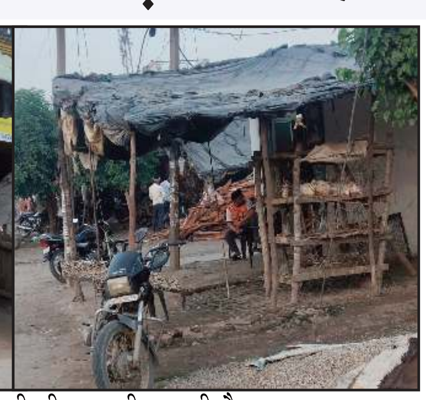

भिकारीपुर कस्बे के मुख्य बाजार में स्थित कई दुकानों पर चिकन, मटन और अन्य मीट उत्पादों की बिक्री धड़ल्ले से जारी है। नवरात्रि के नौवें दिन होने के बावजूद, दुकानदार बेधड़क ग्राहकों को सप्लाई कर रहे हैं, जबकि पूरे प्रदेश में मीट शॉप्स बंद रखने के सख्त निर्देश हैं। एक स्थानीय निवासी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "सुनगढ़ी थाना पुलिस की चौकसी के बावजूद यह सब खुलेआम हो रहा है। हमने कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नवरात्रि में शुद्धता का पालन करने वाले लोगों का यह अपमान है।"

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भिकारीपुर बाजार के प्रमुख चौराहे पर स्थित मीट दुकानें सुबह से ही सक्रिय हैं। यहां न केवल ताजा मीट काटा जा रहा है, बल्कि वजन करके ग्राहकों को बेचा भी जा रहा है। एक दुकानदार ने हामी भरी, "प्रतिबंध तो है, लेकिन ग्राहक मांगते हैं तो क्या करें? पुलिस आती ही नहीं।" बाजार में पार्किंग स्थल के पास भी अस्थायी स्टॉल लगे हुए हैं, जहां मीट की होम डिलीवरी तक की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नवरात्रि (22 मार्च से 30 मार्च तक) के दौरान मीट, मछली और मदिरा की बिक्री पर पूर्ण रोक लगा दी है। जिला प्रशासन ने सभी थानों को सख्ती से अमल करने के निर्देश दिए हैं, जिसमें नियमित गश्त और उल्लंघन पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश शामिल है। पीलीभीत के जिलाधिकारी और एसएसपी ने भी मीट प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने के लिए विशेष टीम गठित की थी। फिर भी, भिकारीपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में यह अवहेलना प्रशासन की निगरानी पर सवाल उठा रही है।

सुनगढ़ी थाना प्रभारी से संपर्क करने पर उन्होंने कहा, "हमें शिकायत मिली है, जांच की जा रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।" जिला प्रशासन से भी इस मामले में टिप्पणी मांगी गई, लेकिन शाम तक कोई जवाब नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि तत्काल छापेमारी कर दुकानों को सील किया जाए और थाना प्रभारी पर कार्रवाई हो।

यह घटना न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है, बल्कि कानून-व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर कर रही है। यदि ऐसी लापरवाही जारी रही, तो भविष्य में बड़े विवाद की आशंका है। प्रशासन को चाहिए कि तुरंत संज्ञान ले और पारदर्शी कार्रवाई करे।